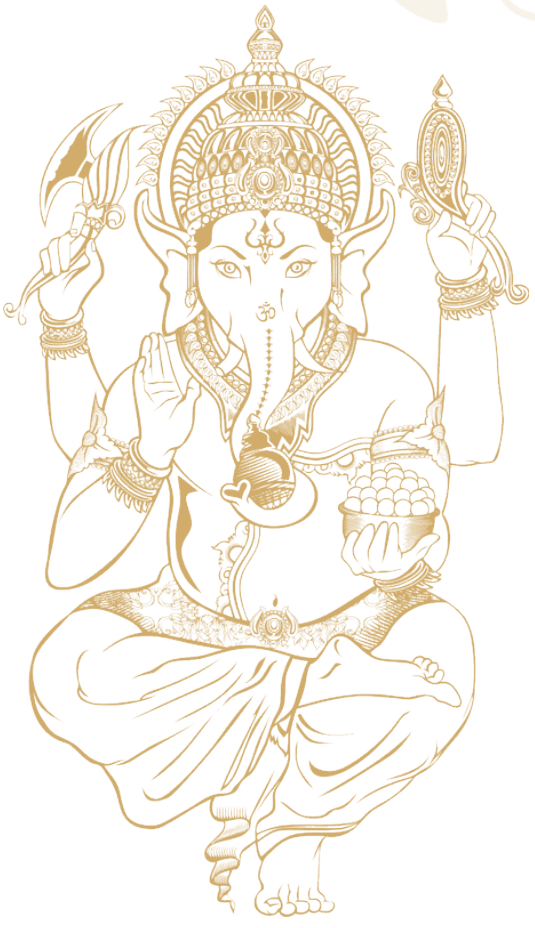

Mr. Kunal

Tara

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121528603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	26/01/2003
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 14:07:00	जन्म समय	17:11:00 घंटे
घटी 20:13:36	जन्म समय(घटी)	24:59:15 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Rewari
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:33	सूर्योदय	07:14:13
18:35:51	सूर्यास्त	17:58:03
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 6मा 9दि

गुरु	
17/03/2013	
17/03/2029	
गुरु	06/05/2015
शनि	16/11/2017
बुध	22/02/2020
केतु	28/01/2021
शुक्र	29/09/2023
सूर्य	17/07/2024
चन्द्र	16/11/2025
मंगल	23/10/2026
राहु	17/03/2029

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	05:10:16
सूर्य	सिंह	20:12:51
चंद्र	मिथु	07:45:30
मंगल	कर्क	04:00:04
बुध	कन्या व	09:26:55
गुरु व	धनु	14:01:13
शुक्र	कर्क	05:16:51
शनि व	मीन व	11:41:27
राहु	कन्या व	14:28:40
केतु	मीन व	14:28:40
हर्ष	मक व	07:16:56
नेप	मक व	01:24:27
प्लूटो	वृश्चि	06:43:24

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	03:00:47
सूर्य	मक	12:11:55
चंद्र	तुला	26:56:12
मंगल	वृश्चि	12:06:05
बुध	धनु	19:08:12
गुरु व	कर्क	20:07:14
शुक्र	वृश्चि	26:00:16
शनि व	वृष	28:54:00
राहु	वृष	13:02:11
केतु	वृश्चि	13:02:11
हर्ष	कुंभ	03:38:23
नेप	मक	16:35:48
प्लूटो	वृश्चि	25:13:04

विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 8मा 3दि

शनि	
30/09/2010	
30/09/2029	
शनि	03/10/2013
बुध	12/06/2016
केतु	22/07/2017
शुक्र	20/09/2020
सूर्य	02/09/2021
चन्द्र	04/04/2023
मंगल	12/05/2024
राहु	19/03/2027
गुरु	30/09/2029

लग्न-चलित

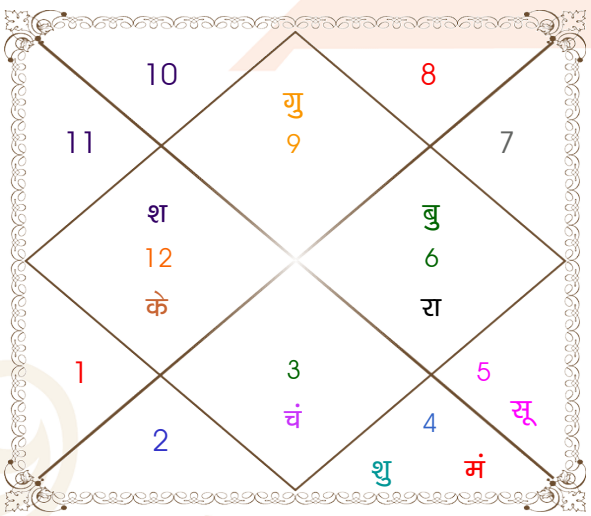

लग्न-चलित

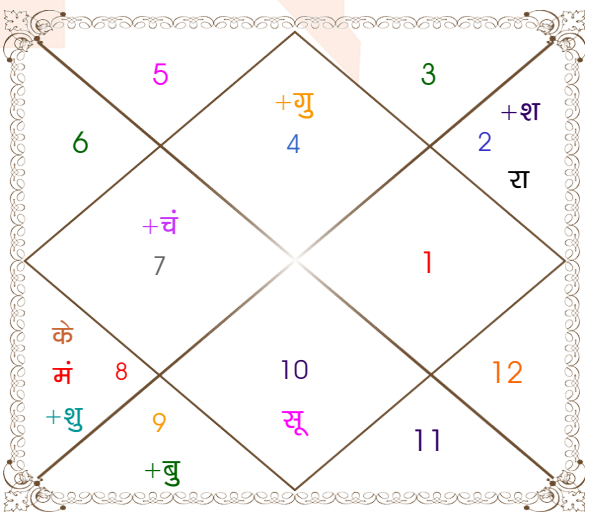

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण् ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा Tara का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् ज्ञनदंस और Tara का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण् ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Tara मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Tara कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ज्ञनदंस तथा Tara में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।